एक नजर में

5 केंद्रों पर 1,770 परीक्षार्थी देंगे नीट परीक्षा

गुना। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी नई दिल्ली द्वारा आयोजित की जाने वाली नीट (यूजी) 2026 की परीक्षा आगामी 03 मई 2026 को आयोजित होगी। जिले में इस महत्वपूर्ण परीक्षा के लिए कुल 05 केंद्र बनाए गए हैं, जहाँ 1,770 परीक्षार्थी डॉक्टर बनने के अपने सपने की दिशा में परीक्षा देंगे। यह परीक्षा दोपहर 02 बजे से शाम 05 बजे तक संचालित की जाएगी। परीक्षा के सुचारू संचालन और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देश पर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुना में एक विशेष परीक्षा नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) स्थापित किया गया है। इस कंट्रोल रूम की जिम्मेदारी प्रभारी के रूप में प्राचार्य बी.के. तिवारी को सौंपी गई है। परीक्षा से संबंधित किसी भी जानकारी या समस्या के समाधान के लिए प्रशासन ने दूरभाष क्रमांक 07542-251639 जारी किया है।

जिलेभर में कुदरत का कहर, लोग रातभर हुए परेशान

कहीं बवंडर से 'ब्लैकआउट' तो कहीं आंधी के साथ बरपी 'आग की आफत'

नवभारत न्यूज

गुना 30 अप्रैल का। बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात गुना जिले के लिए किसी डरावने सपने से कम नहीं रही। रात करीब 11 बजे अचानक बदले मौसम के मिजाज ने जिले के शहरी और ग्रामीण अंचलों में भारी तबाही मचाई है। एक ओर जहाँ जिला मुख्यालय पर भीषण बवंडर और आंधी ने बिजली व्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया, वहीं बमोरी क्षेत्र के ग्राम नोनेरा में आंधी के साथ आई आग ने चार परिवारों के आशियाने जलाकर राख कर दिए। इस दोहरी आपदा ने जिले के प्रशासनिक इंतजामों और आपातकालीन सेवाओं की पोल खोलकर रख दी है।

बुधवार रात करीब 11:00 बजे अचानक आए बवंडर ने शहर को अपनी चपेट में ले लिया। आंधी की तीव्रता इतनी अधिक थी कि कलेक्ट्रेट स्थित परशुराम चौराहे पर एक विशालकाय पेड़ जड़ से उखड़कर सड़क के बीचों-बीच गिर गया। इस दौरान पेड़ बिजली की लाइनों और डीपी (ट्रांसफार्मर) पर जा गिरा, जिससे शॉर्ट सर्किट के कारण वहां भयानक आग लग गई। आग की लपटें देख पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे के बाद पूरे शहर में 'ब्लैकआउट' जैसी स्थिति निर्मित हो गई। शहर के अधिकांश वार्डों में बिजली गुल हो गई। भीषण गर्मी और उमस के बीच रात भर बिजली का आंख-मिचौली का खेल जारी रहा। कई नागरिकों ने सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि बिजली गुल होने पर विभाग के जिम्मेदार अधिकारी फोन तक नहीं उठाते, जिससे जनता का तनाव और बढ़ जाता है। बिजली कर्मचारियों ने रात भर मरम्मत कार्य किया, लेकिन पूरी रात लोग बिना नींद के घरों के बाहर टहलते नजर आए। इस प्राकृतिक आपदा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि आंधी-तूफान जैसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए जिला प्रशासन और बिजली विभाग के पास कोई पुख्ता बैकअप प्लान नहीं है। पीड़ित परिवारों ने जिला प्रशासन से तत्काल सर्वे कराकर उचित मुआवजे और रहने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की है।

बमोरी की त्रासदी: आंधी के साथ उठी आग की लपटें, चार घर खाक

शहरी क्षेत्र से करीब 40 किलोमीटर दूर बमोरी के नोनेरा गांव में स्थिति और भी भयावह रही। यहाँ रात करीब 12 बजे जब ग्रामीण सो रहे थे, तभी आंधी के साथ उठी आग की लपटों ने बस्ती को घेर लिया। देखते ही देखते सत्तार, अनीश, रहीश और अंगूर खां के घर धू-धू कर जलने लगे। आग की भीषणता को देखकर ग्रामीण अपनी जान बचाने के लिए पास की पहाड़ियों की तरफ भाग गए। हालांकि इस सूझबूझ से जनहानि तो टल गई, लेकिन आर्थिक रूप से ये परिवार सड़क पर आ गए हैं। इन चारों परिवारों का साल भर का राशन, कपड़े, नकदी और खेती में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक के सैकड़ों फिट पाइप जलकर राख हो गए। बेघर हुए ये परिवार अब खुले आसमान के नीचे दाने-दाने को मोहताज हैं।

प्रशासन की उदासीनता पर फूटा गुस्सा

नोनेरा के ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आग लगने के बाद दमकल की गाड़ी मौके पर तो पहुंची, लेकिन आधे-अधूरे मन से काम किया गया। पानी खत्म होने पर दमकल की गाड़ी दोबारा भरने गई लेकिन वापस नहीं लौटी। इसके चलते आग पूरी तरह नहीं बुझ पाई और ग्रामीणों को खुद ही बाल्टियों से आग पर काबू पाना पड़ा। दुखद पहलू यह है कि हादसे के कई घंटों बाद भी प्रशासन की ओर से कोई बड़ी राहत टीम मौके पर नहीं पहुंची है। केवल बमोरी पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया है। राजस्व विभाग के अधिकारियों की अनुपस्थिति को लेकर ग्रामीणों में भारी रोष है।

सिविल अस्पताल आरोन में 'हीट क्लीनिक' शुरू, लू के मरीजों को मिलेगा तुरंत इलाज

गुना। क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे तापमान और लू के खतरे को देखते हुए सिविल अस्पताल आरोन में विशेष 'हीट क्लीनिक' का संचालन प्रारंभ किया गया है। मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. के.एन. भिलवारे ने अपनी विशेषज्ञ टीम के साथ क्लीनिक का निरीक्षण कर इसकी औपचारिक शुरूआत की। अस्पताल प्रशासन ने यह कदम इसलिए उठाया है ताकि गर्मी के कारण अचानक बीमार होने वाले या लू की चपेट में आने वाले मरीजों को सामान्य ओपीडी की कतार में न लगना पड़े और उन्हें तत्काल आपातकालीन उपचार मिल सके। क्लीनिक की शुरूआत के दौरान डॉ. महेश कुमार राजपूत, डॉ. अविनाश रघुवंशी, डॉ. कमल मीना, डॉ. राजू मजूमदार और ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर भूपेंद्र श्रीवास्तव उपस्थित रहे। डॉ. भिलवारे ने नागरिकों को सचेत करते हुए कहा कि इस मौसम में मामूली सी लापरवाही भी स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकती है। उन्होंने बचाव के लिए सुझाव दिए हैं कि धूप में बाहर जाते समय हमेशा कुछ खाकर निकलें और साथ में पानी की बोतल जरूर रखें। दोपहर 12 बजे से शाम 3 बजे के बीच, जब धूप सबसे तेज होती है, बाहर निकलने से बचें। मिर्च-मसालेदार और बासी भोजन से परहेज करें। हल्का और सुपाच्य भोजन लें। बच्चों को तेज धूप में खेलने से बचाएं और उन्हें ठंडे वातावरण में रखने का प्रयास करें।

चौपना जंगल में आधी रात को 'सर्जिकल स्ट्राइक', भोपाल के शिकारियों ने इंदौर की कार से किया शिकार

नवभारत न्यूज

गुना। बीनागंज वन परिक्षेत्र इलाके के चौपना जंगलों में वन्य जीवों का शिकार करने आए भोपाल के पांच शिकारियों को वन विभाग की टीम ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। शिकारी बेहद शातिर थे, पहचान छिपाने के लिए वे इंदौर रजिस्टर्ड कार का इस्तेमाल कर रहे थे और उनके पास अत्याधुनिक रायफल मौजूद थी। लेकिन वन विभाग के मुखबिर तंत्र के आगे उनकी हर चाल फेल हो गई।

दरअसल, बीते 3 अप्रैल को शिकार का एक मामला सामने आने के बाद से ही वन विभाग की टीमें अलर्ट पर थीं। वहीं गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब 2:30 बजे मुखबिर से सटीक सूचना मिली कि चौपना के जंगल में कुछ शिकारी दाखिल हुए हैं। सूचना मिलते ही बीनागंज रेंजर सौरभ द्विवेदी ने अपनी टीम के साथ मोर्चा संभाला और जंगल के रास्तों की घेराबंदी कर दी। तलाशी के दौरान टीम को एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार आती दिखाई दी। वन विभाग ने जैसे ही कार को रुकवाकर उसकी तलाशी ली, अंदर का नजारा देखकर अधिकारी दंग रह गए। कार के भीतर एक नीलगाय और एक भेड़की का शव पड़ा हुआ था। आरोपियों के कब्जे से एक रायफल, दो खाली कारतूस और 7 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पकड़े गए पांचों आरोपी भोपाल के रहने वाले बताए जा रहे हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि शिकार के लिए इस्तेमाल की गई कार इंदौर में रजिस्टर्ड है। माना जा रहा है कि आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से इस वाहन का चुनाव किया ताकि स्थानीय पुलिस या वन अमले को उन पर शक न हो।

बदरवास के आभूषण व्यापारी ने खुद को मारी गोली, गुना लाते समय उपचार के दौरान मौत

गुना। शिवपुरी जिले के बदरवास कस्बे में 45 वर्षीय आभूषण व्यापारी ने अज्ञात कारणों के चलते खुद को गोली मार ली। गंभीर हालत में उन्हें गुना जिला अस्पताल लाया जा हा था, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। कस्बे में सुगबुगाहट है कि संदीप सोनी किसी आर्थिक संकट में फंस गए थे, मामला आईपीएल से जुड़ा होने की अपुष्ट जानकारी भी सामने आ रही है। फिलहाल जानकारी सामने आई है कि बदरवास निवासी संदीप सोनी ने गुरुवार सुबह लगभग 11:30 बजे अपने घर पर यह आत्मघाती कदम उठाया। उन्होंने संदिग्ध परिस्थितियों में कट्टे से अपनी कनपटी पर गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे, जहां संदीप खून से लथपथ हालत में मिले। घटना के तुरंत बाद परिजन उन्हें लेकर बदरवास स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल गुना के लिए रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि गुना पहुंचने से पहले ही रास्ते में संदीप ने दम तोड़ दिया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। संदीप सोनी ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इसका कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। परिजनों के अनुसार, संदीप किसी तनाव में थे या नहीं, इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब इस बात की तफ्तीश कर रही है कि घटना के पीछे कोई पारिवारिक विवाद था, आर्थिक कारण थे या कोई अन्य वजह। इस दुखद घटना के बाद बदरवास के व्यापारी जगत में भी शोक व्याप्त है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

आदि गुरु शंकराचार्य के जीवन दर्शन पर डाला प्रकाश

गुना। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में आदि गुरु शंकराचार्य जयंती के उपलक्ष्य में शासकीय स्नातकोत्तर (पीजी) महाविद्यालय गुना में एक गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने आदि गुरु शंकराचार्य के अद्वैत वेदांत और उनके द्वारा स्थापित सांस्कृतिक एकता के संदेश को आज के समय में प्रासंगिक बताया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता और विशेष अतिथि तुलसीदास दुबे द्वारा मां सरस्वती एवं आदि गुरु शंकराचार्य के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर और दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान जिला समन्वयक मंजूषा सालोमन ने अतिथियों का शॉल और पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए तुलसीदास दुबे ने आदि गुरु शंकराचार्य के जीवन परिचय पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार शंकराचार्य ने अल्पायु में ही पूरे भारत का भ्रमण कर चारों दिशाओं में मठों की स्थापना की और सनातन संस्कृति को एक सूत्र में पिरोया। कार्यक्रम के दौरान उनके दार्शनिक सिद्धांतों और समाज सुधार के कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के समापन पर आध्यात्मिक चर्चा के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी का भी संदेश दिया गया। ब्लॉक समन्वयक लोकेंद्र ने उपस्थित सभी लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल स्रोतों को सुरक्षित रखा जा सके।

आरटीई के तहत दूसरे दौर की प्रक्रिया शुरू केवल पुराने आवेदकों को मिलेगा मौका

नवभारत न्यूज

गुना। निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के अंतर्गत निजी विद्यालयों की आरक्षित सीटों पर बच्चों के प्रवेश की प्रक्रिया अब अपने दूसरे चरण में पहुंच गई है। प्रथम चरण की कार्यवाही 25 अप्रैल 2026 को समाप्त होने के बाद, अब उन सीटों को भरने की तैयारी है जो विभिन्न स्कूलों में रिक्त रह गई हैं। शिक्षा विभाग ने पोर्टल पर इन खाली सीटों की जानकारी सार्वजनिक कर दी है। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि दूसरे चरण में नए सिरे से कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस चरण का लाभ केवल उन्हीं बच्चों को मिलेगा जिन्होंने पहले चरण में आवेदन किया था। इसमें दो प्रमुख श्रेणियों को मौका दिया गया है। ऐसे अभिभावक जिन्होंने आवेदन तो किया था, लेकिन निर्धारित समय में सत्यापन नहीं करा सके थे, वे अब अपने जनशिक्षा केंद्र पर जाकर दस्तावेजों की जांच करवा सकते हैं। जिन बच्चों को पहले चरण में कोई स्कूल नहीं मिला या जिन्होंने आवंटित स्कूल में प्रवेश नहीं लिया, वे खाली सीटों के आधार पर अपनी पसंद बदल सकते हैं।

गुना के 219 श्रमिक परिवारों को मिली 4 .98 करोड़ की सहायता राशि

गुना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा गुरुवार को भोपाल से मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना के अंतर्गत प्रदेश के 27,167 श्रमिक परिवारों को 600 करोड़ रुपये की अनुग्रह सहायता राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण किया गया। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिला कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी कक्ष में देखा गया, जहाँ कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

इस कार्यक्रम के दौरान गुना जिले के 219 श्रमिक परिवारों को कुल 4 करोड़ 98 लाख रुपये की राशि

सिंगल क्लिक के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में भेजी गई। यह सहायता राशि उन असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के परिवारों को प्रदान की गई है, जिन्हें आर्थिक संबल की नितांत आवश्यकता थी। मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को विपत्ति के समय आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इस योजना के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा श्रमिकों के जीवनस्तर में सुधार लाने और उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कलेक्ट्रेट में आयोजित इस कार्यक्रम के अवसर पर रामेश मालवीय सहित संबंधित विभागीय अधिकारी और संबल योजना से जुड़े कई हितग्राही उपस्थित रहे। हितग्राहियों ने इस आर्थिक सहायता के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रशासन का कहना है कि इस राशि से प्रभावित परिवारों को दैनिक जीवन की कठिनाइयों से लड़ने और भविष्य को सुरक्षित करने में बड़ी मदद मिलेगी।

28 करोड़ लगाकर भी सुविधाहीन है गुना का रेलवे स्टेशन

गुना। रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे आधुनिकरण के कार्य अब यात्रियों के लिए जी का जंजाल बन गए हैं। साढ़े 28 करोड़ रुपए के भारी-भरकम बजट के बावजूद निर्माण कार्य की कछुआ चाल ने यात्रियों को बुनियादी सुविधाओं से महरूम कर दिया है। दरअसल, गर्मी के सीजन में अजमेर-रांची एक्सप्रेस सहित कई प्रमुख ट्रेनें घंटों की देरी से चल रही हैं। रेलवे स्टेशन पहुंचे एक यात्री परिवार को उस समय भारी परेशानी का सामना करना पड़ा जब उनकी ट्रेन 5 घंटे लेट हो गई। परिवार में छोटे बच्चे भी थे, लेकिन तेज धूप और गर्म हवाओं के बीच उन्हें स्टेशन परिसर में सुरक्षित बैठने की जगह तक नहीं मिली। प्रतीक्षालय बंद होने के कारण यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर यहां-वहां भटकना पड़ा। इस अव्यवस्था को लेकर समाजसेवी और रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति के सदस्य सुनील आचार्य ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। सोशल मीडिया पर यात्री द्वारा साझा किए गए वीडियो का संज्ञान लेते हुए उन्होंने वरिष्ठ रेल प्रशासन को आड़े हाथों लिया। पिछले दो वर्षों से चल रहे कार्य में आखिर ऐसा क्या काम है जो अब तक पूरा नहीं हो सका? सुनील आचार्य ने रेल प्रशासन से मांग की है कि यदि प्रथम श्रेणी प्रतीक्षालय का कार्य अधूरा है, तो वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में वीआईपी कक्ष यात्रियों के लिए खोला जाना चाहिए।

जनगणना लू से बचने के लिए हिदायत, दो शिफ्टों में गिने जाएंगे मकान

आज से सुबह और शाम घर-घर आएंगे जनगणना प्रगणक

नवभारत न्यूज

गुना। गुना जिले में भी 01 मई 2026 से जनगणना 2027 का प्रथम चरण 'मकान सूचीकरण और गणना' शुरू होने जा रहा है। इस महाअभियान की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए गुरुवार को भोपाल से जनगणना कार्य निदेशालय के निदेशक श्री कार्तिकेय गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा की। जिला कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्री किशोर कुमार कन्याल ने स्थानीय एनआईसी कक्ष में बैठक लेकर प्रगणकों की सुरक्षा और कार्य की शुद्धता को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं।

जनगणना के इस पहले चरण में प्रगणक प्रत्येक घर जाकर 33 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी जुटाएंगे। इसमें मुख्य रूप से मकान की वर्तमान स्थिति और परिवार को मिलने वाली बुनियादी सुविधाओं का ब्यौरा शामिल होगा। कार्य की शुचिता बनाए रखने के लिए प्रत्येक छह प्रगणकों

पर एक पर्यवेक्षक (सुपरवाइजर) की नियुक्ति की गई है, जो फील्ड वर्क की निगरानी करेंगे। भीषण गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए कलेक्टर श्री कन्याल ने प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं।

जनगणना का कार्य सुबह 08 से 12 बजे तक और शाम को 04 से 07 बजे के बीच ही किया जाएगा, ताकि कर्मचारी दोपहर की तपिश से बच सकें। सभी कर्मचारियों को अपने साथ पानी की बोतल और गमछा रखने की सलाह दी गई है। जिला प्रशासन द्वारा प्रगणकों को मेडिकल किट भी उपलब्ध कराई जा रही है। सभी फील्ड स्टाफ को परिचय पत्र और नियुक्ति पत्र जारी कर दिए गए हैं, जिन्हें कार्य के दौरान प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा। जिला प्रशासन ने गुना के समस्त नागरिकों से अपील की है कि जब प्रगणक आपके घर पहुंचें, तो उन्हें सही और सटीक जानकारी उपलब्ध कराकर राष्ट्र निर्माण के इस महत्वपूर्ण कार्य में अपना सहयोग प्रदान करें। प्रशासन ने इस कार्य को जिले में दो सप्ताह के भीतर पूर्ण करने का लक्ष्य रखा है। कलेक्टर ने सभी चार्ज अधिकारियों को अपने-अपने स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए हैं ताकि फील्ड पर आने वाली समस्याओं का तत्काल निराकरण हो सके। जनगणना कार्य को उत्साहपूर्वक और समय सीमा में पूर्ण करने के लिए कलेक्टर ने घोषणा की है कि जनगणना कार्य के लिए मिलने वाले मानदेय के अतिरिक्त, जिले के उत्कृष्ट कार्य करने वाले छह प्रगणकों/कर्मचारियों को प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया जाएगा।

उपराष्ट्रपति ने किया ज्योतिषाचार्य की पुस्तकों का विमोचन

गुना। राधौगढ़ क्षेत्र में विजयपुर स्थित एनएफएल टाउनशिप के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य नरेश कुमार शर्मा और उनकी सहयोगी डॉ. आशा त्यागी ने राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। मेरठ के आई.आई.एम.टी. विश्वविद्यालय में आयोजित भव्य दीक्षांत समारोह के दौरान भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने उनके द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया है। ज्योतिषाचार्य नरेश कुमार शर्मा और डॉ. आशा त्यागी द्वारा भारतीय ज्योतिष, पंचांग तथा कालचक्र पर गहन शोध कर दो अलग-अलग पुस्तकें तैयार की गई हैं। 21 अप्रैल को आयोजित इस गरिमामय समारोह में उपराष्ट्रपति ने इन कृतियों का विमोचन करते हुए भारतीय ज्योतिष विज्ञान के क्षेत्र में किए गए इस प्रयास की सराहना की। समारोह के दौरान एक विशेष उपलब्धि तब जुड़ी जब उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने ज्योतिषाचार्य नरेश कुमार शर्मा को दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में 'ज्योतिष संवाद' के लिए आमंत्रित किया। राधौगढ़ और विजयपुर ही नहीं, बल्कि पूरे मध्य प्रदेश के लिए यह बड़े सम्मान की बात मानी जा रही है कि स्थानीय प्रतिभा को देश के सर्वोच्च पटल पर अपने विचार रखने का अवसर प्राप्त होगा। इन पुस्तकों के विमोचन और एनएफएल टाउनशिप और राधौगढ़ क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

गुना की तस्वीर बदलेगी 'नमामि गंगे' योजना, 80 करोड़ से होगा गुनिया नदी का कायाकल्प, बनेगा आधुनिक बोट क्लब

गुना। शहर के जल स्रोतों के पुनरुद्धार और सौंदर्यीकरण के लिए नमामि गंगे योजना के तहत एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में गुनिया नदी के पुनरुत्थान, बोट क्लब के विकास और भुजरिया तालाब के आधुनिकीकरण पर डीपीआर (विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन) का प्रस्तुतीकरण किया गया। इस पूरी परियोजना पर लगभग 80.22 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। परियोजना को दो भागों में विभाजित किया गया है। पहले पार्ट में नदी के दोनों ओर कंक्रीट की दीवारें बनाई जाएंगी ताकि प्रवाह नियंत्रित रहे और शहर को बाढ़ से राहत मिले। दीवार के किनारे 2.5 मीटर चौड़ी सड़क बनेगी जिस पर इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई जाएंगी। साथ ही 5 गेटयुक्त स्टॉप डेम, 4 फुटब्रिज और घाटों का निर्माण प्रस्तावित है। दूसरे पार्ट में बोट क्लब का विकास होगा। इसे आत्मनिर्भर बनाने के लिए नौकायन शुल्क, फूड जोन, पार्किंग और विज्ञापन

के जरिए राजस्व जुटाने का मॉडल तैयार किया गया है। बैठक में भुजरिया तालाब को एक आधुनिक आकर्षण केंद्र के रूप में विकसित करने का 3-डी मॉडल दिखाया गया। यहाँ पार्किंग, मंदिर परिसर का विस्तार और थीम आधारित ओपन एक्टिविटी स्पेस बनाने की योजना है। वहीं, कूनो नदी के पुनर्जीवन के लिए अतिक्रमण मुक्त क्षेत्रों में वृक्षारोपण और घाट निर्माण का कार्य पंचायत स्तर पर शुरू हो चुका है। बैठक का सबसे प्रेरक क्षण वह रहा जब गुनिया नदी निरीक्षण दल में शामिल एक छोटी बालिका ने अपनी बात रखी। उसने कहा कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर नदी की सफाई के लिए श्रमदान करेगी। बालिका का तर्क था कि जब बच्चे मेहनत करेंगे, तो बड़े लोग नदी में गंदगी फैलाने से पहले संकोच करेंगे।

भोपाल भेजी जाएगी योजना

कलेक्टर ने बताया कि इस डीपीआर को पहले उच्च स्तर पर स्वीकृति के लिए भोपाल भेजा जाएगा, जिसके बाद इसे अंतिम अनुमोदन हेतु नमामि गंगे योजना के तहत केंद्र सरकार को प्रस्तुत किया जाएगा। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार, सांसद प्रतिनिधि हरिसिंह यादव, अपर कलेक्टर अखिलेश जैन सहित शहर के गणमान्य नागरिक और समाजसेवी उपस्थित रहे।